आज का मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट्स लिखें: [बीपीएससी जीएस 1: खंड II]
   - ➢ भारत-प्रशांत समृद्धि के लिए आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) (8 अंक)
   - ➢ वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (8 अंक)
2. भारत में लोकतंत्र को मजबूत करने में स्थानीय शासन की भूमिका पर चर्चा करें। स्थानीय शासी निकायों के सामने आने वाली प्रमुख समकालीन चुनौतियों पर प्रकाश डालें और अपने जनादेश को प्राप्त करने में उनकी प्रभावशीलता में सुधार के उपाय सुझाएँ। [बीपीएससी जीएस 2 खंड I: 38 अंक)

राष्ट्रीय समसामयिकी

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने **14 जनवरी, 2025** को नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्‌घाटन किया।

- ❖ श्री पल्ले गंगा रेड्डी को इसका पहला अध्यक्ष घोषित किया गया है।
- ❖ बोर्ड का मुख्यालय निजामाबाद, तेलंगाना में स्थापित किया गया है।
- ❖ हल्दी को **'गोल्डन स्पाइस'** के नाम से भी जाना जाता है

बोर्ड के बारे में:

- ❖ यह महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, मेघालय सहित और अन्य 20 राज्यों में फैले हल्दी किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान देगा।
- ❖ **बोर्ड का कार्य:**
  - ➢ यह नए हल्दी उत्पादों के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देगा, और विदेशों में विपणन के लिए हल्दी से संबंधित उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर ध्यान देगा।
  - ➢ बोर्ड हल्दी के आवश्यक और औषधीय गुणों के बारे में जागरूकता पैदा करने, इसकी उपज बढ़ाने के तरीकों और नए बाजारों में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रसद और आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने पर भी ध्यान देगा।
  - ➢ बोर्ड हल्दी के उत्पादन और निर्यात के गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को भी सुनिश्चित करेगा।

- ❖ 2023-24 में भारत में 3.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती का अनुमान है, जिससे 10.74 लाख टन उत्पादन संभावित है।
- ❖ भारत दुनिया में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। विश्व हल्दी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 62% से अधिक है।
- ❖ 2023-24 के दौरान 226.5 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य की 1.62 लाख टन हल्दी और हल्दी उत्पादों का निर्यात किया गया।

रक्षा एवं सुरक्षा

आईएनएस सूरत, नीलगिरि, वाघशीर

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **15 जनवरी, 2025** को मुंबई में नौसेना डॉकयार्ड में तीन फ्रंटलाइन नौसैनिक लड़ाकू जहाजों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर को कमीशन किया।

- **महत्व:**
  - तीनों नौसैनिक लड़ाकू जहाजों का कमीशन भारत के रक्षा विनिर्माण और समुद्री सुरक्षा में वैश्विक नेता बनने के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है।
  - यह रक्षा में वैश्विक नेता बनने की दिशा में प्रयासों को भी मजबूत करेगा और आत्मनिर्भरता की दिशा में खोज को बढ़ाएगा।

इन नौसैनिक लड़ाकू जहाजों के बारे में:

- पी15बी गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर प्रोजेक्ट का चौथा और अंतिम जहाज आईएनएस सूरत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे परिष्कृत विध्वंसकों में से एक है।
  - आईएनएस नीलगिरि पी17ए स्टील्थ फ्रिगेट प्रोजेक्ट का पहला जहाज है।
- आईएनएस वाघशीर पी75 स्कॉर्पीन प्रोजेक्ट की छठी और अंतिम पनडुब्बी है।
  - यह दुनिया की सबसे शांत और बहुमुखी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में से एक है।
- आधुनिक विमानन सुविधाओं से लैस, नीलगिरि और सूरत दिन और रात दोनों ही समय में चेतक, एएलएच, सी किंग और हाल ही में शामिल एमएच-60आर सहित कई हेलीकॉप्टरों का संचालन कर सकते हैं।

नई CISF रिजर्व बटालियन

चर्चा में क्यों?

केंद्र ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की दो नई रिजर्व बटालियनों के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जिससे बटालियनों की कुल संख्या **13 से बढ़कर 15 हो** जाएगी।

- **संरचना:**
  - प्रत्येक नई बटालियन में विभिन्न रैंकों के लगभग एक हजार पच्चीस कर्मी शामिल होंगे और इसका नेतृत्व एक वरिष्ठ कमांडेंट स्तर के अधिकारी करेंगे।
  - अब, CISF की ताकत बढ़कर दो लाख हो जाएगी और प्रत्येक बटालियन में विभिन्न रैंकों के 1,025 कर्मी शामिल होंगे।
- **उद्देश्य:**
  - आंतरिक सुरक्षा से संबंधित तत्काल प्रेरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों का एक पूल बनाकर CISF पर बढ़ती मांगों को पूरा करने में ये नई बटालियन महत्वपूर्ण होंगी।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

- CISF संसद के अधिनियम, "केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 (1968 का 50)" के तहत स्थापित संघ का एक सशस्त्र बल है।
- यह अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, हवाई अड्डों, दिल्ली मेट्रो, बंदरगाहों, ऐतिहासिक स्मारकों और भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी क्षेत्रों जैसे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, कोयला, इस्पात और खनन सहित रणनीतिक प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान कर रहा है

महत्वपूर्ण दिन/ तिथियाँ

77वां सेना दिवस

चर्चा में क्यों?

सेना दिवस हर साल **15 जनवरी** को मनाया जाता है।

- **उद्देश्य:** राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में भारतीय सैनिकों की बहादुरी, बलिदान और अमूल्य योगदान का सम्मान करना।
- **इस दिन का इतिहास:**
  - भारतीय सेना, जिसे मूल रूप से 1 अप्रैल, 1895 को ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित किया गया था, 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद एक ऐतिहासिक परिवर्तन से गुज़री।
  - 15 जनवरी, 1949 को, फील्ड मार्शल कोडंडेरा एम. करिअप्पा भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ बने, जिन्होंने अंतिम ब्रिटिश प्रमुख जनरल एफआरआर बुचर का स्थान लिया।
  - उस ऐतिहासिक दिन के बाद से, 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है
- **थीम 2025:**
  - **'समर्थ भारत, सक्षम सेना',** एक मजबूत राष्ट्र के लिए सेना की क्षमताओं पर जोर देती है।

77वें सेना दिवस समारोह

- यद्यपि सेना दिवस परेड की शुरुआत से ही पारंपरिक रूप से दिल्ली में परेड आयोजित की जाती रही है, लेकिन 2023 में इसका आयोजन स्थल बेंगलुरु और फिर 2024 में लखनऊ स्थानांतरित कर दिया गया।
  - इस वर्ष, यह समारोह महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित किया गया, जो तीसरी बार राष्ट्रीय राजधानी के बाहर आयोजित किया जा रहा है।
- भारतीय सेना की दक्षिणी कमान का मुख्यालय महाराष्ट्र के पुणे में स्थित है, यही कारण है कि इस वर्ष 77वें भारतीय सेना दिवस के लिए आयोजन स्थल का चयन किया गया।
- दक्षिणी कमान 11 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों को घेरती है, जो देश के लगभग 41 प्रतिशत भूभाग को कवर करती है।
- इसमें पुणे में 'गौरव गाथा' नामक एक भव्य प्रकाश और ध्वनि शो दिखाया गया, जिसमें भारतीय युद्ध के विकास को दर्शाया गया।

पुस्तकें एवं लेखक

"संसद: शक्तियाँ, कार्य और विशेषाधिकार; एक तुलनात्मक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य"

चर्चा में क्यों?

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने "संसद: शक्तियाँ, कार्य और विशेषाधिकार; एक तुलनात्मक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य" पुस्तक का विमोचन किया।

- इस पुस्तक के लेखक वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. के.एस. चौहान हैं।

News in Short

- महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में **10वें अजंता एलोरा** अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

- इस कार्यक्रम का उद्घाटन सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने किया।
- उन्होंने भारतीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित फिल्मी हस्ती पद्म भूषण साईं परांजपे को पद्मपाणि लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

❖ लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने चेन्नई के पास अपने कट्टुपल्ली शिपयार्ड से भारतीय नौसेना के लिए दूसरा बहुउद्देश्यीय पोत लॉन्च किया है।

- आईएनएस उत्कर्ष नामक पोत का लॉन्च पहले एमपीवी आईएनएस समर्थक के लॉन्च के तीन महीने के भीतर हुआ है।

❍❍❍❍

BPSC WALLAH